mycity
kanpur.amarujala.com
कानपुर celebra
ऊर्जा...

मां-बेटी की जोड़ियों को सलाम

मां-बेटियों की जोड़ियों ने बिजनेस में कमाया है नाम, फिक्की फ्लो ने किया सम्मान

फिक्की की महिला विंग फ्लो की ओर से हुए रेज टू राइज कार्यक्रम में शामिल हुईं बाएं से पूजा गुप्ता, मीनू झुनझुनवाला, प्रियंका मोदी, ज्योत्सना कौर, अर्चना खेतान, परवीन कौर, सुनीता कोहली, अनुराधा वार्ष्णेय, आरती गुप्ता, अंजू मोदी, कनिका वैद्य और श्रुति झुनझुनवाला। अमर उजाला

अमर उजाला अपराजिता
100 MILLION SMILES

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर। फिक्की (फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) की महिला विंग फ्लो कानपुर ने शनिवार को लैंडमार्क में 'रेज टू राइज' कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें अलग-अलग क्षेत्र में अपने काम के झंडे फहरा रहीं तीन मां-बेटी की जोड़ियों को आमंत्रित किया गया। इन्होंने तालमेल और नई-पुरानी सोच को मिलाकर उन्होंने कुछ ऐसे काम किए, जो सबको पसंद आए। सुनीता कोहली-कोहेलिका कोहली, अंजू मोदी-प्रियंका मोदी और सरप्रवीण कौर-ज्योत्सना कौर की जोड़ियों ने मंच से मां-बेटी के रिश्ते को परिभाषित किया और बताया कि कैसे उन्होंने साथ मिलकर बिजनेस को सफल बनाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरती गुप्ता और कनिका वैद ने किया। संस्था की चेयर पर्सन डॉ. अनुराधा वार्ष्णेय, मीनू झुनझुनवाला, शीनू खंडेलवाल, अर्चना खेतान, आकांक्षा सिंह, रितु लॉड मौजूद रहे।

बेटी की पसंद बनाई अपनी पसंद

राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास जैसी कई सरकारी बिल्डिंग के अलावा होटल, मंदिरों को खूबसूरत अंदाज में सजाने वाली इंटीरियर डिजाइनर पद्मश्री सुनीता कोहली बताती हैं कि इंटीरियर डिजाइनर बनने का उनका कोई इरादा नहीं था। शास्त्रीय संगीत और इंग्लिश लिटरेचर में रुचि थी। उनकी बेटी को भी इंटीरियर डिजाइनिंग पसंद थी, इसलिए यह फील्ड चुनी। बेटी कोहेलिका कार्यक्रम में फोन के माध्यम से जुड़ी, बोली कि उनकी मां उनके काम की सबसे बड़ी सपोर्ट सिस्टम हैं और क्रिटिक भी। पद्मश्री सुनीता कोहली ने हर मां को संदेश दिया कि बच्चों के सपनों को पंख दें। सपोर्ट सिस्टम बनें।

नई-पुरानी सोच ने किया कमाल

***सास-बहू** की जोड़ी अंजू-प्रियंका मोदी ने सभी को आकर्षित किया। बाजीराव मस्तानी, रामलीला जैसी फिल्मों की फैशन डिजाइनर रहीं अंजू मोदी कहती हैं कि उन्होंने अपनी बहू को अपनी बेटी माना है, इससे बिजनेस को नया आयाम मिला। बोलीं कि वो सिर्फ घनी और कढ़ाई वाली डिजाइन करतीं थीं। प्रियंका बोलीं कि शुरू में उनको घर और काम में तालमेल बैठाने में दिक्कत थी, लेकिन सासू मां से टिप्स ली और सब परफेक्ट हो गया।*

मां से सीखा काम, खूब कमाया नाम

***शहद** का निर्यात करने वाली परवीन कौर कहती हैं कि उनको बचपन से ही प्रकृति से लगाव था और तभी इस फील्ड में आईं। बेटी ज्योत्सना कौर ने कहा कि मां को देखकर उनमें रुचि बढ़ी और वे भी इससे जुड़ गईं। परिवार और काम के तालमेल को कैसे बैठाना चाहिए, तो परवीन कौर बोलीं कि यह सवाल मां से ही क्यों पूछा जाता है। पिता का भी दायित्व है। कहा कि हमेशा सपोर्ट सिस्टम बनाकर ही काम करने चाहिए। वहीं, ज्योत्सना ने कहा कि हर किसी को अपनी लाइफस्टाइल ऐसी बनानी चाहिए, जिसको लोग उदाहरण के तौर पर लें।*

FICCI flo Kanpur

The Power to Empower

Raise to Rise

A mother daughter bond that spans over the years..

18th MAY 2019

Mercedes-Benz
The best or nothing.

FICCI flo Kanpur
The Power to Empower

Dr. Anuradha Varshney, Chairperson
& Executive Committee, FLO Kanpur Chapter.

INVITE YOU FOR

Raise to Rise

A mother daughter bond that spans over the years..

SUNITA KOHLI

ANJU MODI

PRIYANKA MODI

SARPARVEEN KAUR

KOHELIKA KOHLI

SATURDAY

MAY **18** 2019

2.30pm-5.30pm

JYOTSNA KAUR
HABIBULLAH

LANDMARK HOTEL, KANPUR

Event Chairs:
KANIKA VAID & DR. AARTI GUPTA